ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४६
दिनांक- मंगलवार, १५ जून, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.7 एवं 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 81 प्रतिशत, हवा की औसत गति 15.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.4 एवं दोपहर में 33.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 74.1 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(16–20 जून, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 16–20 जून, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- बिहार में १२ जून मानसून का प्रवेश हो चुका है। अगले १२–२४ घंटों तक यानि १६ जून के सुबह तक उत्तर बिहार के जिलों के अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। हालाकिं १६ जून के सुबह से २० जून के सुबह तक मानसून के सक्रिय रहने के कारण मानसूनी वर्षा की सम्भावना बनी रहेगी और जिसके कारण अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। पूरे पूर्वानुमानित अवधि में कुल ६०–७० मि०मी० वर्षा होने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22–24 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 80 से 85 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमान की अवधि में हल्की से मध्यम वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषक भाईयों को थोड़ा सर्तक रहने की आवष्यकता है तथा जिस खेतों में वर्षा का जल जमाव हो गया हो उस खेतों से जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- धान का बीज नर्सरी में प्राथमिकता से गिरावें। मध्यम अवधि के लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००–१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५–१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। १० से १२ दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–१ वी०पी०टी०–५२०४ एवं सत्यम आदि किस्में १० जुन तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले १.५ ग्राम बविस्टीन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। एन०–५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८–१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए ४०: छायादार नेट से ६–७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- गन्ना फसल में अभी गलित शिखा रोग के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग २.० से २२.५ प्रतिशत तक एवं उग्र अवस्था में ८० प्रतिशत तक उपज एवं ११.८० से ६५.० प्रतिशत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों का काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम २४–२८ डिग्री सेल्सियस, नमी ७५–८५ प्रतिशत एवं ७००–१००० मि०मी० वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि विन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बन्डाजीन (फफूँदनाशी) का ०.१ प्रतिशत दवा कों १ लीटर पानी में घोलकर १५ दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- गरमा सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
- खरीफ चारा फसलें मल्टीकट मीठा ज्वार, एम० पी० चरी, कोहवा एवं मक्का (अफ्रीकन टौल) लगाने का सही समय है। इन चारा फसलों के साथ दलहनी चारा जैसे मेथ, लोबिया या हाईब्रीड मेथ भी लगायें। बहुवर्षीय चारा फसलें हाईब्रीड नेपियर, गिनिया घास, अंजन घास लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 5.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी